### राजस्व विभाग

### युद्ध जागीर पुरूसकार

# दिनाक 22 जून, 1992

क्रमांक 647-ज-(2)-92/13767.—श्री सरदार सिंह पूज श्रीकरम सिंह, निवासी गांव खान ग्रहमद्पुर तहसील व जिला ग्रम्बाला की पूर्वी पंचाद यृद्ध पुरुरकार ग्राधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1) तथा 3 (1) के ग्राधीन सरकार की ग्राधिसूचना क्रमांक 847-ज-1-77/15092, दिनांक 16 जून, 1977 द्वारा 150 रुपये ग्रीर उसके बाद ग्राधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 ग्रवतूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मैंजूर की गई थी।

2. अब श्री सरदार सिंह, की दिनांक 13 जुलाई, 1990 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, एपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शाक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर की श्री सरदार सिंह की विधवा श्रीमित केंसर कीर के नाम रबी. 1991 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबवील करते है।

क्रमांक 539-ज-(2)-92/13771.- श्री कांशी राम, पुत्र श्री प्रेम राम, निवासी, गांव बानावास तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुरकार ग्रधिनिसम, 1948 की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के ग्रधीन सरकार की ग्रधिसूचना क्रमांक 244-र-III-66/893, दिनांक 31 मार्च, 1967 द्वारा 100 रुपये वार्षिक भीर बाद में मिसिसूचना क्रमांक 5041-श्रार-III 70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद ग्रधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री कांशी राम की दिनांक 25 सितम्बर, 1991 की हुई मृत्यु के परिकास स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की आरा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री कांशी राम की विधवा भीमित दड़कां देवी के नाम रवी, 1992 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

### दिनांक 25 जून, 1992

कमीक 1219-3-2-92/14130. — श्री सोहन राम, पुछ श्री दाता राम निवासी गांध चहड़कलां, तहसील लोहारू जिला शिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध युक्स्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(0) (10) तथा 3(1) के प्रधीन सरकार की श्रिधसूचना कमांक 4964-3-(1)-72/16664, दिनांक 4 जून, 1973 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद में श्रिधसूचना कमांक 1789-3-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ांकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री सोहन राम की दिनांक 27 सितम्बर, 1989 को हुई मृत्यु के परिणाम रुपये हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रीष्टिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रेष्टीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री सोहन राम की विधवा श्रीमित दाखां दैवीं के नाम रही, 1990 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शतों के श्रन्तमेत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1640-ज-2-92/14134.  $\rightarrow$ श्री सूरत सिंह, पुत्र श्री कैंहर सिंह, निवासी गांव लूला श्रहीर तहसाल को सली जिला रिवाड़ी को पूर्वी गंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीविनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के भ्रधीन सरकार की ग्रीधसूचना क्रमांक 55-ज-2-86/5978, दिनांक 21 फरवरी, 1986 द्वारा 300 रुपये वार्षिक की दर बांगीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रव श्री सूरत सिंह की दिनांक 4 सितम्बर, 1991 की हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त ग्राधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रापनाया गया है श्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्राधिन प्रदान की गई पक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जातिर को श्री सूरत सिंह की विधवा श्रीमती विद्या देवी के नाम रबी, 1992 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

कर्माक 982-ज-2-92/14138.—श्री राम प्रताप, पुत्र श्री रूप राम, निवासी गांव कोटिया तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को पूर्वी पंजाब युद्ध पृष्टकार प्रधितियम, 1948 को धारा 2(ए), (१ए) तथा 3(१ए) के अधीन सरकार की ग्रिधिस्चना क्रमांक 2452-र-3-71/17981, दिनांक 22 जून, 1971 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद श्रीधस्चना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 प्रश्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बड़ाकर 300 रुपये वाष्टिक की दर-से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री राम प्रताप की दिनांक 27 दिसम्बर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणानस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उगरान्त अितिन्तन (जैता कि उते हिरमाना राज्य में इम्प्राया गया है और उस में साज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री राम प्रताप की विधवा श्रीमिति गिन्दोड़ी देवी के नाम खरीफ 1984 से 300 रुपये वाधिक की शर से, सनदं में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

कमांक 593-ज-2-92/14142.—श्री इन्दराज सिंह, पुत्र श्री निहाल सिंह, निवासी गांव कोट मोहल्ला तहसील करताल, जिता जराल को पूर्व गंजार हुद्द गुरुकार श्रीजितन 1948 की श्रारा 2 ए (1) तथा 3 (1) (ए) के मधीन बरकार की श्रीधसूचना कमांक 295-जे० एन-III-66/2119, दिनांक 10 फरवरी, 1966 द्वारा 100 रुपये वाधिक मोर बाद में श्रीधसूचना कमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये मोर उसके बाद श्रीधसूचना कमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रवत्वर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाधिक की दर से जागीर मंजूर की गई था।

2. श्रव श्री इन्दराज सिंह की दिनांक 22 दिसम्बर, 1988 की हुई नृत्यु के परिमामस्वका हरियाणा के राज्यासल, अपरोक्त श्रीविनयम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रातामा गा। है थीर उन्ने श्रान तम संगोनन किया गया है) की धारा 4 के श्रीवीन प्रदान की नई गिविजयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री इन्दराज सिंह की विधवां श्रीमित करतारी देवों के नाम खरीक 1989 से 300 छाये वाधिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1514-ज (1)-91/14146.—पूर्वी पंशव शुद्ध पुरूषकार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उमे हरियाणा राज्य में प्रधनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2 ए (१ए) तया 3 (१ए) के प्रमुक्तार सौधे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाना के राज्यान श्रींनित प्रकाश देशे, विधवा श्री मंगेज सिंह, गांव दनचोली तहसील नारनील जिला महेन्द्रगढ़ की रवी, 1975 से खरीक 79 तक 150 वर्षे वर्षिक तथा रवी, 80 से 300 वर्षे वर्षिक सनद में वी गई एती के श्रमुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

## दिनांब: 30 जून, 1992

कमांक 924-ज-2-92/14404.—श्री श्योकरण, पुत्र श्री गार्वे राम निवासी गांव कोहारड़, तहसील सम्जर, जिला रोहतक, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार स्रधिनियम, 1948 की धारा  $2(\mathbf{v})$  (1 $\mathbf{v}$ ) तथा  $3(1\mathbf{v})$  के स्रधीन सरकार की मिधसूचना कमांक 6093-स्रार-4-67/4503, दिनांक 29 नवम्बर, 1967 द्वारा 100 रुपये वार्षिक स्रौर वाद में स्रिधसूचना कमांक 5041-स्रार-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये स्रौर उसके वाद प्रधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 स्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ांकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जांगर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब श्री श्योकरण की दिनांक 27 फरवरी, 1991 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाण के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिश्चित्यम (जैसा कि उसे हरियाण राज्य में अपनाया गया है ग्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धार 4 के ग्रिशीन प्रदान की गई शिवनयों का प्रयोग वास्ते हुए, इस जागीर की श्री खोकरण की विश्ववा श्रामित ईमारती के नाम खरीफ, 1991 में 300 रुपये वार्षिक की दर में, सनद में दी गई शर्ती के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।